विवरणिका

“मिलें तो सही” प्रशिक्षण कार्यक्रम

पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (प्रतिदिन 1-2 घंटें)

1. परिचय

सार्वजनिक स्थल पर हमलोग औसतन 2 घंटे से 10 घंटे तक या ज्यादा भी समय बिताते हैं... यह समय जागते हुए जीवन के आधे पल से अधिक होता है।

एक विकसित समुदाय की पहचान सार्वजनिक सेवा, सुविधा, आधारभूत संस्थान की उत्थान और उसकी गुणवत्ता से भी होती है और यह हमारे सुखद जीवन का एक महत्वपूर्ण पक्ष है।

हमलोगों के लिए आवश्यक है कि हम सब निजी जीवन और पारिवारिक जीवन की तरह ही सार्वजनिक जीवन की गुणवत्ता पर भी कुछ समय दें और इसके लिए भी कूछ कार्य करें। इस सम्बन्ध में सबसे शुरुआती कड़ी है आपस में मिलना और सामूहिक सोच का निर्माण करना।

हमारे बीच कई लोग हैं जो सार्वजनिक सेवा, सुविधा एवं आधारभूत संरचना की बेहतरी के लिए आपस में मिलना-जुलना चाहते हैं और कुछ करना चाहते हैं।

‘इथिकल फाउन्देशन’ अपने सदस्यों के 20 वर्ष के ‘तलाश’ के अनुभव ‘मिले तो सही’ संकल्पना सबों तक पहुँचाने के लिए **प्रशिक्षण कार्यक्रम** तैयार किया है ताकि अच्छी सार्वजनिक सेवा, सुविधा एवं आधारभूत संरचना हम सबों को प्राप्त होने में हम सबों की रचनात्मक भागीदारी हो सके।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम व्यावहारिक है, यानी कि हम कुछ करते हुए तय विषय वस्तु सीखते हैं एवं उसका उपयोग अपने समुदाय में अच्छी सार्वजनिक सेवा, सुविधा एवं आधारभूत संरचना की प्राप्ति के लिए करते हैं।

2. हम प्रशिक्षण कार्यक्रम से क्या सीखेंगे ?

विकसित समुदाय पर चर्चा के माहौल में इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में हमलोग निम्नलिखित बातें सीखेंगें:

- सामूहिक सोच का निर्माण कैसे हो एवं विकसित समुदाय के निर्माण में इसका उपयोग
- तलाश कथन : ‘गलत को गलत कहें, अच्छा को अच्छा कहें’- इस कथन की शक्ति

- मिलें तो सही : आपके क्षेत्र में निवासी-सभा करने का प्रभावी तरीका एवं अन्य क्षेत्र में निवासी-सभा आसान करने में आप कैसे मदद/सहयोग कर सकते हैं ?
- समुदाय आधारित संगठन की कार्यप्रणाली एवं भूमिका

इस व्यावहारिक सीख का एक लाभ और है कि प्रशिक्षु में समुदाय स्तर पर नेतृत्व क्षमता का गुण बेहतर होता है। हम सबों में कुछ न कुछ नेतृत्व क्षमता होती ही है जैसे :

- सार्वजनिक विषय पर अपना विचार व्यक्त करना।
- अन्य के विचारों को सुनना, समझना और सराहना
- सार्वजनिक बैठक में फीडबैक देना एवं चर्चा करना
- निर्णय लेने में विश्लेषण क्षमता।

3. दिनवार कार्यक्रम

“मिले तो सही” कार्यक्रम के 5 दिवसीय (प्रतिदिन 2 घंटा) प्रशिक्षण में दिनवार विषय-वस्तु निम्नलिखित है -

पहला दिन परिचय - प्रशिक्षण कार्यक्रम परिचय (1 घंटा अतिरिक्त)
पहला दिन - तलाश के मुख्य सन्देश और विकसित समुदाय का लक्ष्य (2 घंटा)
दूसरा दिन - निवासी सभा विधि और उपयोग (2 घंटा)
तीसरा दिन - “गलत को गलत कहें, अच्छा को अच्छा कहे”- इस कथन की शक्ति (2 घंटा)
चौथा दिन - सामूहिक सोच का निर्माण कैसे हो और उपयोग (2 घंटा)
पाँचवाँ दिन - समुदाय आधारित संगठनों के लिये तलाश एक आधार (2 घंटा)

4. तीन महीने तक की सहायता

इस पाँच दिवसीय शिक्षण कार्यशाला के बाद इस कार्यक्रम से संबंधित किसी भी प्रकार की सीख को जमीन पर उतारने में किसी भी प्रकार की सहायता तीन महीने तक निःशुल्क दी जायेगी।

5. आवेदक की पात्रता

इस प्रशिक्षण में भाग लेने के लिये आवेदक की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिये। अन्य कोई पात्रता नहीं है।

इसमें वे व्यक्ति शामिल होने चाहिये जो अपने व्यस्तम समय में से महीने में एक या दो दिन पूरे समुदाय के साथ काम करने के ईच्छुक हों। विशेष तौर पर समुदाय स्तर पर बैठक एवं निर्णय को लागू करने के लिये सहयोग करना चाहते हैं - "मिलें तो सही"। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य रोजगार देना नहीं है।

सभी गण्यमान लोग अपने-अपने क्षेत्र में विशेषज्ञ होते हैं। उनमें कुछ न कुछ नेतृत्व गुण एवं व्यवहार गुण होता है। वे अपने औपचारिक शिक्षा, पेशा एवं व्यवहारिक अनुभव में कुछ न कुछ नेतृत्व गुण एवं व्यवहार गुण सीखे हैं और उपयोग करते हैं। उन क्षमताओं का उपयोग समुदाय में अच्छी सार्वजनिक सेवा, सुविधा एवं विकसित समाज के प्राप्ति के लिए किया जाने की आवश्यकता है। इस प्रशिक्षण का उपयोग यही है।

किस पेशा से जुड़े लोग इस प्रशिक्षण में हिस्सा ले सकते हैं ? - सभी

क्या विद्यार्थी भी इस प्रशिक्षण में हिस्सा ले सकते हैं ? हाँ। आशा है कि यह व्यवहारिक प्रशिक्षण उन्हें अपने पेशेवर जीवन में सफल होने में, और विघार्थी जीवन में और आगे भी समुदाय स्तर पर क्रियाशील होने में मदद करेगा।

6. प्रशिक्षण प्रबंधन

I. यह प्रशिक्षण एथिकल फाउंडेशन के द्वारा दी जा रही है।

II. प्रशिक्षण अनुभवी एवं दक्ष व्यक्तियों के द्वारा दी जायेगी।

III. इस प्रशिक्षण की विधि : व्याख्यान, समूह स्तर पर चर्चा, व्यवहारिक कार्यान्वयन।

IV. प्रशिक्षण का शिड्यूल संलग्न है।

V. प्रशिक्षण 5 दिन का प्रतिदिन 2-2 घंटे का होगा। प्रशिक्षण उपरांत तीन महीने तक व्यवहारिक कार्यान्वयन में मार्गदर्शन दी जायेगी।

VI. एथिकल फाउंडेशन इस कार्यक्रम का नियमित रूप से करने के लिये दान दाताओं की आर्थिक सहयोग और प्रशिक्षु के द्वारा दिया गया शिक्षण शुल्क पर निर्भर है।

VII. यदि दान दाता के द्वारा राशि प्राप्त हो जाती है तो शिक्षण शुल्क नहीं लिया जायेगा।

VIII. एक बैच में अधिकतम 20 प्रशिक्षुओं का प्रशिक्षण होगा।

ix. प्रशिक्षण के उपरांत प्रशिक्षु एवं प्रशिक्षण का मूल्यांकन किया जाएगा। प्रशिक्षण का भी मूल्यांकन प्रशिक्षु के द्वारा किया जाएगा।

x. सफलतापूर्वक प्रशिक्षण को पूरा करने वाले प्रशिक्षु को एथिकल फाउंडेशन के द्वारा प्रमाण-पत्र दिया जाएगा।

7. शुल्क

इस प्रशिक्षण में भाग लेने की लिये 2000 रुपये (दो हजार रुपये) मात्र शुल्क रखा गया है। इस प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रथम 20 प्रतिभागियों का शुल्क नहीं लगेगा। इनका शुल्क दान-दाताओं के द्वारा दिया जा चुका है।

8. पंजीयन फॉर्म

क्रम -सं.	प्रतिभागी का नाम	लिंग	जन्म - तिथि	उच्चतम शिक्षा	व्यवसाय	संपर्क नंबर Email id	पता